दैनिक जागरण

Date : 10.02.2019

तकनीक से ही रुकेगा भ्रष्टाचार : योगी

सीएम ने वर्तमान व पूर्व छात्रों का किया शोध के लिए आह्वान, विज्ञान के योगदान से सुगम होगा मानव जीवन

जागरण संवाददाता, वाराणसी : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वैज्ञानिक प्राचीन ज्ञान को विज्ञान को जोड़कर नई-नई तकनीक ईजाद करें ताकि भ्रष्टाचार को रोका जा सके। उन्होंने जल संरक्षण और कचरा प्रबंध को लेकर बेहतर शोध करने पर जोर दिया। कहा कि बेहतर भारत के निर्माण में विज्ञान का अहम योगदान है। सीएम योगी शनिवार को बीएचयू के स्वतंत्रता भवन में आयोजित आइआइटी शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि 'नए और आधुनिक शोध से ही मानवता का कल्याण होगा। ऐसा करने से महामना का सपना तो साकार होगा ही साथ ही देश का समुचित विकास भी होगा। उन्होंने पुरातन छात्र एवं उनके परिवार के लोगों को बताया कि 15 फरवरी को प्रधानमंत्री

आइआइटी, बीएचयू

- दक्ष शिक्षक की तरह हर वाक्य को तकनीक से जोड़ कर दिया भाषण
- 15 को झांसी में डिफेंस कारिडोर का शिलान्यास करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

डिफेंस कारिडोर का शिलान्यास करेंगे। इसका नालेज पार्टनर आइआइटी, बीएचयू व कानपुर भी है।

सौ साल बाद मोदी ने ली सुधः मुख्यमंत्री ने बीएचयू और बेंको की स्थापना से लेकर संस्थान के 100 साल पूरा होने तक के सफर को तथ्य के साथ छात्र-छात्राओं को बताया। योगी ने कहा कि वर्ष 1916 में एक ओर जहां बीएचयू की स्थापना हुई वहीं दूसरी ओर काशी आए महात्मा गांधी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के संकरे रास्ते को लेकर चिंता जताई थी। 1916 से 2016 तक किसी सरकार ने इसकी चिंता नहीं की। प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर 100 साल बाद गांधी के कथन पर ध्यान दिया गया और अब विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र में कॉरिडोर बनाया जा रहा है। 1916 में ही एक ओर जहां स्वाधीनता की लड़ाई चल रही थी वहीं महामना बीएचयू के रूप में राष्ट्र एवं चरित्र निर्माण की नींव रख रहे थे। 1919 में बेंको की स्थापना हुई तो उसी समय जलियांवाला बाग कांड हुआ था। शिक्षकों एवं छात्रों से सस्ती एवं सरल तकनीक बनाने की अपील की।

शहर में सीएम >> पेज 6

वाराणसी में आइआइटी बीएचयू के शताब्दी समारोह के अवसर पर ग्लोबल एल्युमिनी मीट के चेयरमैन नितिन मल्होत्रा की बात ध्यान से सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ • जागरण

क्या है सनातन धर्म

सीएम ने रामायण के एक प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा 'इसमें सनातन धर्म के बारे में बताया गया है कि वह क्या है। इसमें छोटी सी परिभाषा है कि किसी ने आपके प्रति कोई कार्य या उपकार किया है, जिससे आपके जीवन में कुछ अच्छा हुआ हो और आपने कृतज्ञता ज्ञापित की हो, यही सनातन धर्म है। यानी कृतज्ञता ही सनातन धर्म की पहचान है। इसको चरितार्थ किया महामना ने।'